घर की ओर उड़ान

घर की ओर उड़ान

हिंदी : रवि

मैं और मेरे पापा एयरपोर्ट पर रहते हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारा कोई घर नहीं हैं. एयरपोर्ट, सड़क से अच्छा ही होता है. पर हम सावधान रहते हैं कि कोई हमें पकड़ न ले.

मिस्टर सलोकम और मिस्टर वेल पिछली रात पकड़े गए.
“दस हरी बोतलें , दीवार पे लटकी हुई,” उन्होंने गुनगुनाया.
उनकी आवाज़ दो हिरणों की चीखने से भी ज़्यादा तेज़ थी.
पापा ने कहा, “उन्होंने यहाँ रहने का पहला नियम तोड़ा -
कभी किसी की नज़र में न आना.”
पापा और मैं कोशिश करते हैं कि हम नजर ना आए.
हम एयरलाइंस बदलते रहते हैं.

JUICES / MAGAZINES
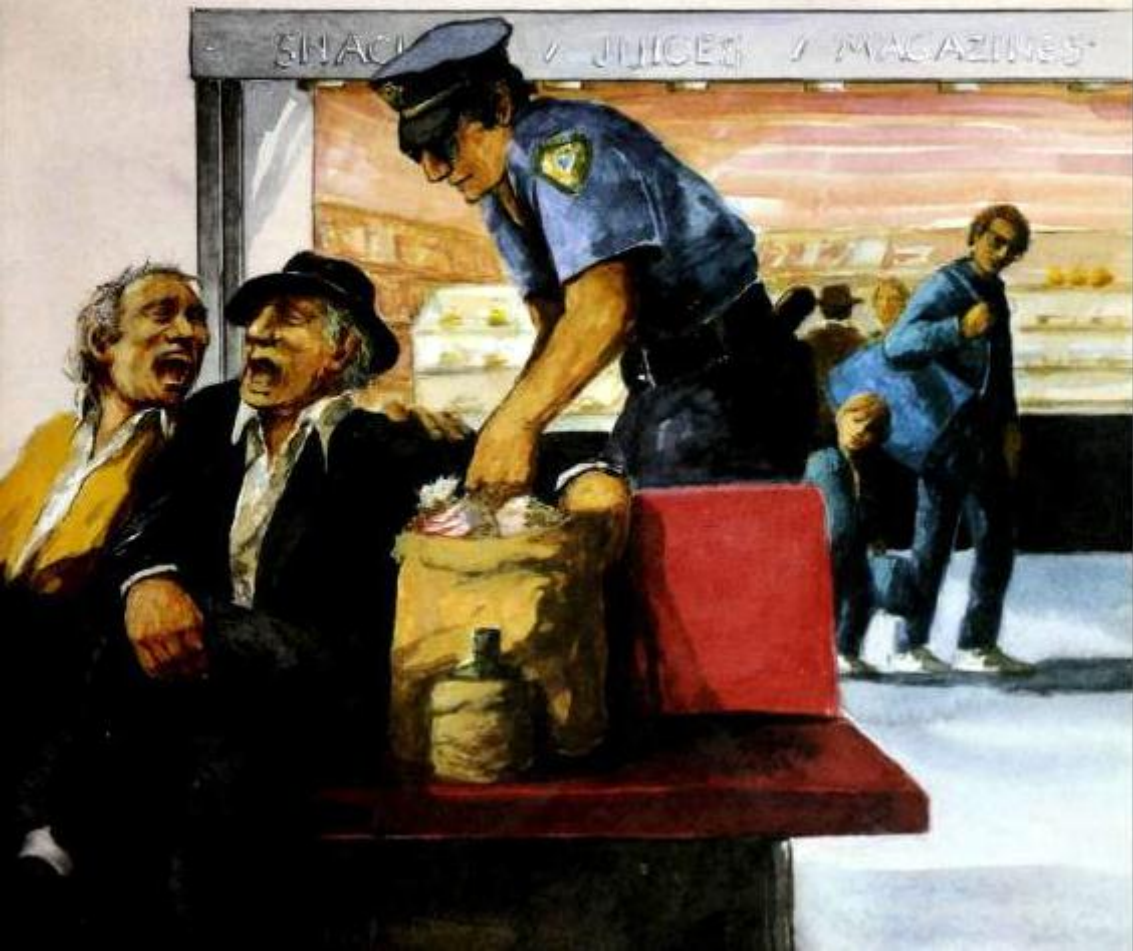
“डेल्टा, टीडब्लूऐ, नोर्थवेस्ट, हमें सभी एयरलाइन पसंद है,”- पापा ने कहा.
मैं और पापा नीली जीन्स, नीली टी-शर्ट और नीली जैकेट पहने हैं.
हम दोनों के ही पास एक नीली चेन वाला थैला है जिसमे बदलने के लिए
एक जोड़ी नीले कपड़े हैं.
हम किसी को नज़र न आएं इसलिए हमने बिल्कुल सादे कपड़े पहने हैं.

DELTA
TWA

एक बार हमने एक औरत की चीज़ों से भरी लोहे की ट्राली धकेलते हुए देखा. वो एक लम्बा, गन्दा कोट पहनी थी और गेट 6 की सामने लेटी थी. उसकी ट्राली, गंदे कपड़े और गेट के सामने उसका लेटना साफ़ छिटकता था. सिक्यूरिटी ने उसे तुरंत बाहर निकाल दिया.

AIR
ATE 3

पापा और मैं, बैठे-बैठे ही सोते हैं.
हम हवाई-अड्डे के अलग-अलग हिस्सों में टहलते हैं.
“आज हम कहाँ हैं?” मैंने पापा से पूछा.
पापा ने नोटबुक में देखा और कहा, “अलास्का-एयर में,” वो बोले,
“अब हमें दूसरे टर्मिनल में जाना होगा.”
“ठीक है. हम वहां चल कर जाएंगे.”
हम एयरपोर्ट पर कुछ लोगो को रोज़ाना ही काम करते हुए देखते हैं.
उन्हें देखते ही हम उन्हें उनके नाम से पहचान लेते हैं.
ये इदाहो जोए, एनी फ्रंनी और मार्स मैन साथ-साथ हैं.
मगर हम कभी साथ-साथ नहीं बैठते हैं.
पापा कहते है, “इकट्ठे साथ में बैठने से हम जल्दी पहचाने जायेंगे.”

एयरपोर्ट पर सभी चीज़ें सक्रिय है - यात्री, पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट, सफाई कर्मचारी अपनी झाड़ू के साथ घूम रहे हैं. हमें खिड़कियों के पास से जेट विमानों की तेज़ आवाज़ सुनाई दे रही है.

फिर दूसरे जेट की आवाज़ दूर जाती हुई सुनाई देती है. सामान बेल्ट पर उछलते हैं, एस्क्लेटर ऊपर से नीचे आते ही, अचानक फर्श में गायब हो जाते हैं. सिर्फ मुझे और पापा को छोड़कर बाकी सभी लोग कहीं न कहीं जा रहे हैं. बस हम ही रुके हैं.

एक बार एक भूरे रंग की छोटी सी चिड़िया मेन टर्मिनल के अंदर आ गई. फिर वो बाहर नहीं निकल पाई. वो ऊंचाई पर खोखली जगहों में फड़फड़ाती रही.

फिर वो एक खिड़की के कांच से टकराई और फिर गश खाकर हांफती हुई ज़मीन पे गिरी. वो पूरी तरह से थक कर पस्त हो गई थी. फिर वो उड़कर एक ऊंचे लोहे के गर्डर पर जाकर बैठ गई.

"अपनी कोशिश कभी भी बंद मत करना," मैंने उससे धीरे से कहा. "अपने प्रयास ज़ारी रखना! कोशिश से तुम बाहर निकल सकती हो!"

कई दिनों तक वो चिड़िया अपने एक पंख को खींचते हुए इधर-उधर उड़ती रही. फिर एक दिन उसे अच्छा मौका मिला. उस दिन जैसे ही स्लाइडिंग दरवाज़ा खुला वो झट से बाहर निकल गई. मैंने उसे ऊपर उठते हुए देखा. उसका पंख अब ठीक लग रहा था.

"उड़ो चिड़िया," मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "उड़ो और सीधे अपने घर जाओ!"

हालांकि मैं सुन नहीं पा रहा था, पर मुझे पता था कि वो चिड़िया गा रही थी. किसी भी चीज़ ने मुझे इतना खुश नहीं किया जितना उस चिड़िया ने.

FLY UNITED

एअरपोर्ट रात को भी काफी सक्रिय होता है और वहां शोर-शराबा होता है. पापा और मैं फिर भी सोते है. जब 2 और 4 के बीच कुछ शांति होती है, तब हम उठते हैं.

“2 और 4 के बीच काफी शांति रहती है,” पापा ने कहा. “उस समय न ही कोई फ्लाइट आती है और न ही कोई फ्लाइट जाती है.”

उन दो घंटे क्योंकि बहुत कम लोग होते हैं इसलिए हमें ज़्यादा चौकन्ना रहना पड़ता है. सुबह को, पापा और मैं बाथरूम में जाकर नहाते है. पापा शेव भी करते है. चाहें कोई भी समय हो, बाथरूम हमेशा भरा ही रहता है.

हमें भीड़ पसंद है.

अपरिचित लोग एक-दूसरे से बात करते हैं.

“आप कहाँ से आए हैं?”

“फ्लाइट तीन घंटे लेट हो गई यार, मैं तो फंस गया.”

मैं और पापा, हम किसी से बात नहीं करते हैं.

नाश्ते के लिए हम एक कैफेटेरिया से लाल ट्रे में डोनट और दूध खरीदते है.

कभी-कभी पापा मेरे लिए एक जूस का एक डब्बा भी खरीदते हैं.

शनिवार और रविवार को पापा काम पर जाने के लिए बस लेते हैं. वो शहर के एक दफ्तर में चौकीदार हैं. एक तरफ से बस का टिकट एक डॉलर होता है.

जब पापा जाते हैं तब मैडम मेडिना मेरी देखभाल करती हैं.
मैडम मेडिना, दादीजी और डैनी भी एयरपोर्ट पर ही रहते हैं.
डैनी मेरा दोस्त है.
जब यात्री सामान ले जाने वाली ट्राली बाहर छोड़ जाते हैं, तब डैनी और मैं उन्हें इकट्ठा करके 50 सेंट में वापस करते हैं. जब भीड़ ज़्यादा होती है तब हम खुदको ज़्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं. तब हम बैग उठाने का काम भी करते हैं.
“क्या मैं आपका भारी बैग उठाऊँ, मैडम?” डैनी, टैक्सी बुलाने में काफी उस्ताद है. ऐसा शायद इसलिए है क्यूंकि वो सिर्फ सात साल का है.
कई बार यात्री टिप नहीं देते. तब डैनी हलके से कहता है - “कंजूस!” मगर वो ज़ोर से नहीं बोलता है. मेडिना परिवार के लोग समझते हैं कि अगर वो नज़र में आए तो काफी खतरा हो सकता है.

जब पापा काम करके घर वापस आते हैं, तब वो हमारे और मेडिना परिवार के लिए हैमबर्गर खरीदते हैं.

इस तरह वो मेरी देखभाल करने की उन्हें कीमत चुकाते हैं. जिस दिन डैनी और मेरी अच्छी कमाई होती है उस दिन हम केक खरीदते हैं. मगर मैंने अब वो बंद कर दिया है. मैं पैसे बचाकर उन्हें अपने जूते में छिपा कर रखता हूँ.
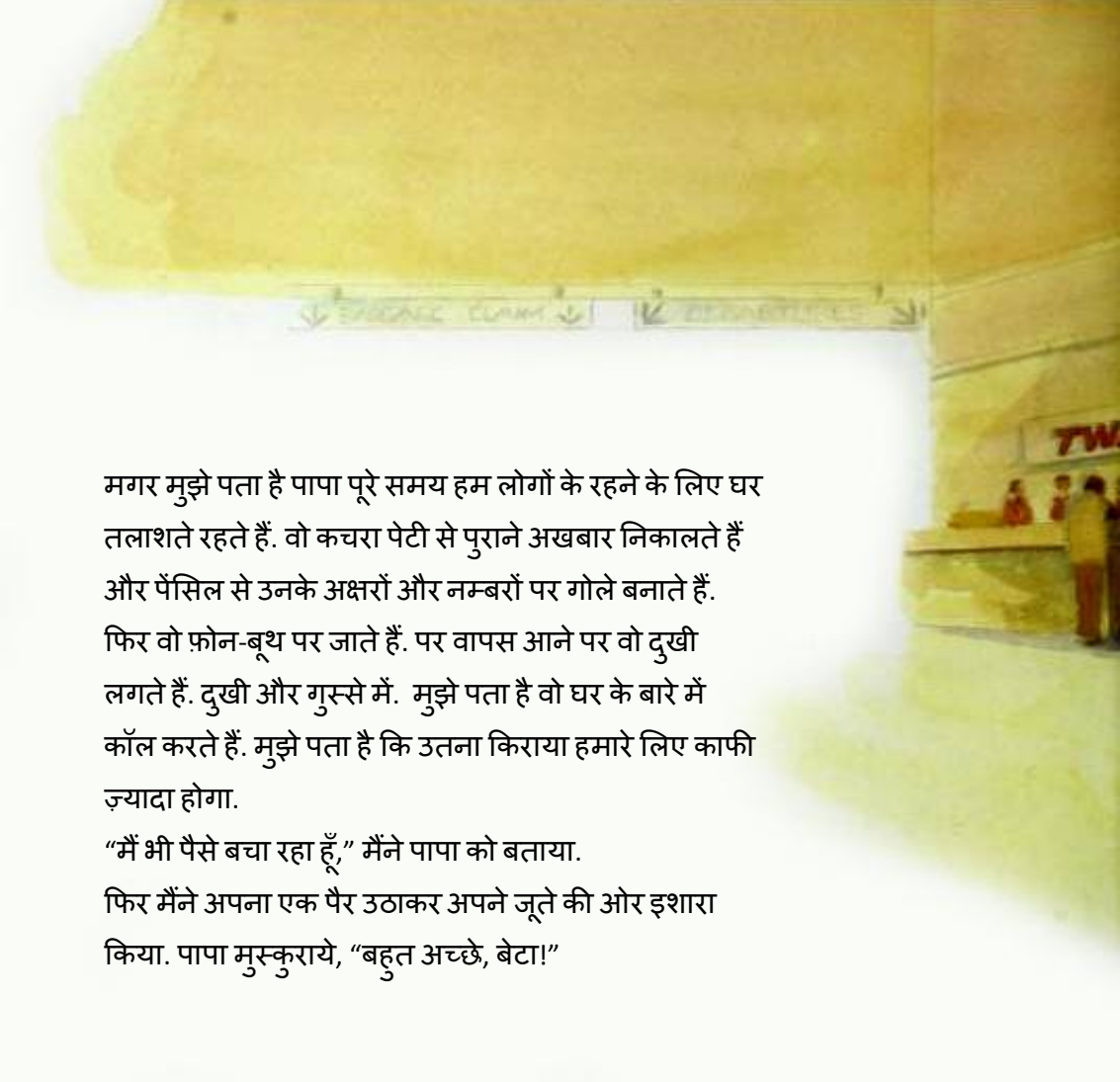
“क्या कभी हमारा खुद का अपार्टमेंट होगा?” मैंने एक दिन पापा से पूछा. मैं चाहता हूँ की चीज़े पहले जैसी ही हो जाएँ - मम्मी के गुजरने के पहले जैसी.

“शायद एक दिन हम अपना घर खरीद पाएं,” उन्होंने कहा. “यह तभी संभव होगा जब मुझे और अधिक काम मिलेगा और हम और ज़्यादा पैसे बचा पाएंगे.” उन्होंने मेरे सर पर हाथ फेरा. “यहाँ अच्छा है, क्यों है न एंड्रू? गर्म, सुरक्षित और कीमत भी उचित है.”

मगर मुझे पता है पापा पूरे समय हम लोगों के रहने के लिए घर तलाशते रहते हैं. वो कचरा पेटी से पुराने अखबार निकालते हैं और पेंसिल से उनके अक्षरों और नम्बरों पर गोले बनाते हैं. फिर वो फ़ोन-बूथ पर जाते हैं. पर वापस आने पर वो दुखी लगते हैं. दुखी और गुस्से में. मुझे पता है वो घर के बारे में कॉल करते हैं. मुझे पता है कि उतना किराया हमारे लिए काफी ज़्यादा होगा.

“मैं भी पैसे बचा रहा हूँ,” मैंने पापा को बताया.

फिर मैंने अपना एक पैर उठाकर अपने जूते की ओर इशारा किया. पापा मुस्कुराये, “बहुत अच्छे, बेटा!”

GATE 14

“अगर हमें जगह मिली तब तुम और तुम्हारे पापा हमारे साथ आकर रह सकते हो,” डैनी ने कहा.

“और अगर हमें जगह मिली तो तुम, तुम्हारी मम्मी और दादीजी भी हमारे साथ आकर रह सकते हैं,” मैंने कहा.

“बिल्कुल!”

हमने हाथ मिलाया. ये तो बहुत ही अच्छा होगा!

अगली गर्मियों के बाद, पापा ने कहा कि मुझे स्कूल जाना शुरू करना होगा.

“क्यों?” मैंने पूछा.

“मुझे नहीं पता. मगर ये ज़रूरी है. हम उसका भी कोई-न-कोई समाधान निकालेंगे.”

डैनी की मम्मी के कहा कि वो कुछ समय और रुक सकता था. मगर पापा ने कहा कि मेरे लिए वो संभव नहीं होगा.

अक्सर मैं लोगों को एक-दूसरे से मिलते हुए देखता हूँ.
“मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है.”
“कितना अच्छा लगता है घर वापस आकर.”
कई बार मुझे काफी गुस्सा आता है और मैं उन्हें धक्का देना चाहता हूँ और ऊंची आवाज़ में पूछना चाहता हूँ, “तुम्हारे पास घर क्यों है और हमारे पास क्यों नहीं? तुमने ऐसा क्या किया, कि तुम स्पेशल हो?” पर ऐसा करने से हम अलग छिटकेंगे - नज़र में आ जायेंगे, ठीक है.
कई बार मैं बस रोना चाहता हूँ. मुझे लगता है पापा और मैं हमेशा के लिए यहाँ पर फँसे रह जायेंगे.

तब मुझे उस चिड़िया की याद आती है. कुछ समय ज़रूर लगा, मगर फिर दरवाज़ा खुला.
और जब चिड़िया ने निकलकर हवा में उड़ान भरी, तब मुझे पता है कि वो गीत गा रही थी.
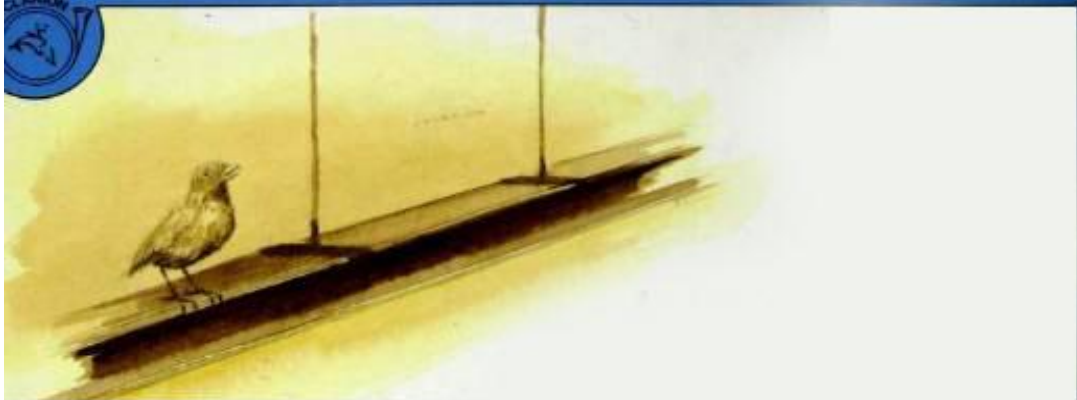
एक गरीब बेघर मज़दूर परिवार की कहानी

जो एयरपोर्ट पर रहने को मज़बूर हैं.